APRIL 2018 TO MARCH 2019

NEWS PAPER COVERAGE 2018-19

देखा खेतों का हाल

कृषि वैज्ञानिकों द्वारा गन्ना फसल की निगरानी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

कवि विज्ञान केन्द्र कवधां. कवर्धा के वरिष्ठ वैज्ञानिक विगत दिनो फेल (व्हीप स्मट) चाब्क, कन्डवा बीमारी के समन्वित रोकथाम के उपाय बताए।

जिले में लगभग 50 हजार एकड में गन्ने की खेती की जा रही है और कबीरधाम जिले के किसानों के लिए गन्ना एक प्रमुख नगदी फसल है। लेकिन गने में पिछले वर्ष से गन्ने का व्हीप स्मट बीमारी के लक्षण अप्रेल-मई माह में ज्यादा देखने को मिल रहे हैं।



इसका मख्य कारण लगातार तापक्रम में वृद्धि को मना जा सकता है। डॉ. बीपी त्रिपाठी ने बताया कि इस बीमारी के प्रमुख लक्षण गन्ने के शीर्ष हिस्से में पत्ती की जगह एक काली रंग की डंडी

(घोडे के चावक) के आकार की बन जाती है और पत्ती का पूरा हिस्सा काला स्पोर्स (चूर्ण) से भरा रहता है। यह बीमारी ज्यादातर रेट्न क्राप (पेडी) फसल में ज्यादा

समन्वित प्रबंधन के बताए उपाय

लक्षण मिलते ही किसानों को समन्वित प्रबंधन के उपाय अपनाने चाहिए। सर्वप्रथंम गन्ने के खेत में उपरोक्त लक्षण विख्यमे पर रोग ग्रसित पती जो पूरी काली हो गई उसको निकाल दे क्योंकि शुरुआती दौर में 5 से 10 पौधों में ही ये लक्षण बेरवने को मिलता है और जैसे -जैसे हवा और पानी के माध्यम से यह बिमारी बहुत तेजी से पूरे खेत में फैलने लगती है। इस बीमारी स्पोर्स (चूर्ण) हवा में बहुत तेजी से फैलते है। यह बीमारी लापक्रम 38-40 के ऊपर होने पर यह महामारी के रूप ਜੋ ਪੈਨਕਾਰੀ है।

जैविक खेती को बढावा देने दिया जोर

 कुलपित द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र का किया भ्रमण

मवसारत कार्यालयः। कवर्पाः

इंटिश गांची कृषि विश्वविद्यालय, रावपुर के कुलपति हों. एस. के. पाटील बुधवार को कबीरधाम जिले के दौरे पर रहें, कलपति ने कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्षा में समन्वत कृषि प्रणाली के विभिन्न घटक जैसे महली सह बत्तख पालन, कडकनाय पालन, मशरूम उत्पादन, जन्नत गी पालन इकाई का

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्षी प्रक्षेत्र में ज्ञाप केफेटेरिया में गेह को 8 किस्म, धनें भी 6 किस्म, अलसी की 4 किस्स, मटर एवं यूंग की 2-2 किस्स, सरसी एवं उड़द को 1-1 किस्मों का अवलोकन किया, कुलपति ने जैविक खेली को बद्धावा देने एवं कृषि विज्ञान केन्द्र प्रक्षेत्र में 5 एकड़ जमीन चिन्होंकत कर जीवक खेती करने कार्यक्रम एवं मातु बगीचा का इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय. तया प्रकेश में लगभग । एकड में सकती अवशोकन किया, इस दौरान कृषि रायपुर, डॉ. बी.के. त्रिपाठी, सहायक



जामजा लिया एवं चना, उहर, यहं,

निर्देशित किया, बतस्त्र पालन को त्रैमासिक पत्रिका इदिस किमान मितान बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया। कृषि , का वियोधन कृत्यति के हाए किया विहान केन्द्र, कवार्थ में दिए में चने की गया, इस अवसर पर डॉ. ए.एल. खेती हेतु की जा रही तैयारी का भी राठौर, निदेशक विस्तार सेवाएं, इं.गां.कृ.बि.,रायपुर, डॉ. आर.के. मृंग, अरहर एवं तिवड़ा के बीजोत्पादन वाजपेपी, निदेशक अनुसंधान सेवाएं,

की खेती का प्रदर्शन लगाने हेत् विज्ञान केन्द्र कथायी प्रारा प्रकारित संचालक अनुसंधान, इदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, डॉ. अस. के. द्विवेदी, अधिवाता, संत कवीर फर्पि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, कवर्षा, हा, बी.पी. त्रिपाठी, बरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्षा एवं कवि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा के अधिकारी-कर्मचारी विवरणेगा स्थापन

जैविक खेती के लिए पांच एकड जमीन चिह्नांकित



जीविका खेली के लिए विकास जामीन का पानना

पश्चिका न्यूजा नेटवर्का

विश्वविद्यालय के कुलपति मादिला. 2-4 resistance. कामीरधाम के वीरे घर रहे। उन्होंने कृषि विश्वान केन्द्र में समन्त्रित कृषि प्रणाली के विभिन्न घटक जैसे नगर जनचा रहन काइकानाथ पालन, मशक्त्म उत्पादन, उन्नत मी पालन इकाई का अवलोकन

कृति विकास केन्द्र प्रक्षेत्र में क्रांप केक्ट्रेडिया में गेलू की व किस्म, जने की 6 किस्स, अलसी की 4 किस्स, भटर या गून की 2-2 विशस्त, व उड़द की 1-1 किस्मी का अवस्थिक किया। इसके अलाका तैचिक रवेती को बढ़ाका देने व कृषि

विशान केन्द्र प्रक्षेत्र में 5 एकड़ जमीन चिन्हाकित कर जैकिक खेती करने और प्रात्तेज में स्वराभाग । एकाह में सन्जी की खेली का प्रवर्शन लगाने के लिए जिल्हाशिय जिल्हा वर्णी जिल्लान केरन्द्र में द्विप में पाने की रवेली के दिनार की जा रही तैयारी का भी आयाजा लिखा। चना, उद्यद, गेह, सूरा, अरहर च लिखहा के जीजीत्यादन कार्यक्रम व मात् व्यापा अस्तरनीकान किस्सा। इस दीरान विज्ञान केल्द्र प्रारा प्रकाशित वैभासिक पत्रिका ''इंदिश किस्तान जिल्लान'' का विमोजन कुलपति हारा किया गया। श्रम अध्यक्षर पर श्रॉ. एएएन राजीर, श्रॉ. आरके वाजपेथी, हां, वीके विपादी, हां, आरके द्विवेदी, हां, बीधी विपादी व कृषि विज्ञान केन्द्र के अधिकारी

APRIL 2018 TO MARCH 2019

NEWS PAPER COVERAGE 2018-19

कवर्धा. बेमेतरा क्षक्राला

Twenty-crossy, quarter to 3940th, 2010 | 16-

मशीन का मॉडल तैयार, जो गन्ने को काट कर ट्रॉली में करेगी लोड

हजा संबंदती अपूज बमार्च में इसे धार्मना भी विना है। इसे में क्षत वर्षे के स्ट्रॉट कुम्पणेयान प्रदेश घर से 72 सहस्र मीतन की

के लिए अवसीतन राज्य सर्वाप देख तथा को मानि मीतल बचने मानीन में 2 दिन में कटाई व लेडिन ही जारपी जे प्रकृति में इस महाम मीवल की भी जेन्द्र किनी।

प्राष्ट्रिय पार इंप्याद अवदे के विश् पटेल (१४) ने प्रजान लाई वह थे। जिसमें सं वेको प्राप्तित का 30 प्रतिकार मोदल राष्ट्रिय स्तर के मेरत कि कि का हार है। इसे स्वीप्टम किया है और को विशे कि क्षात्र पुरस्कारिक के को बारका उसे मुसलेन सकैदर का मौतन भी के दूबनों में दोने स्वीमा के बाद कुम्मांका कर कुम्मानेका में लोड का महरहा (क्रीत) वा राने कर में पहलों की से किसन है। उन्होंने खेलें में कहा



पटेल बात होते. एक देशी के इसके दिन रामने पटेल केंद्रे कार्या, यह कटाई की कटीन का मीठल बनाव यह है। (मुनर्कन क्राकेटर) या मीडार में 250 रुपर रोजी बाजी है। यहा में क्राइयल के दिन लॉने (पाने क्रीकर पर 4 से

के विटेश पर बात में सभी बच्चों में अविश्व यूर्ण थे। उसके दूसरे ही दिन साथ बामानेवार ने आर्थ बराबर साथ और बड़ा गया है कि हम ऐसी मार्टन बना समाने हैं. शिकाको नहा बाहने में अस्मानी होती। प्रदान के उद्योग को बाकी निरम्बों ने भी देखा उसके बाद इसे बात ने मीवल

करें और लाग अंभव जो देश. पानह लोगों के इस देने जा। नहीन से वे दिन में एक स्वयु एक करते. हैं जता। मॉडन पा कान हुआ तो ऐसे मिलेश काववा उसे स्टेंट ने अर्दावय समया। वटनों के दिन संदूर जो किन तो पहार्थी आहा को बेटनिक हो मेर्ने निवर्त करते. एक एकट रक्षेत्र में साथ कर पास को 12 महारा त्या बाहरे वाली वालीन है। और महत् किसी है के थे 200 है कि मुख्येन समीवत में एक एकड़ की तम बदाई जिलाहर 5 हिन से बहुते हैं। और मानत 200 स्था रोह मानारी के विसाध में 5 दिन का 10 हमार संस्थ तिका किया हुए से इस्ताम आवंडे करता है किसन किया की पोलाने 3 हजा रूप का वार्य आहार इस बेटन वाली जो करता में से वार्य की कार है। किस उसे उसे में लोड अगरे में समय शरक है। वहि महिल पर गान करने

क्रमण्याम से महोत्र गाँउत को अवसरोबार के लिए राज बार चएनसर्वानी ने साथ के मीहत को दिलपी में होने वाले इन्यपार आदि प्रकृति के तिल् अपनित विश्व है। प्रदेश आगरे, प्रका क्या वेदरी

महंत्री है ऐसी मशीन

क्रमेक्टर में स्थापन क्रमेरर मार्गत नहीं है। विशेष प्रशास में हरियात में इत्तेश कियान के प्रम हो इससी मुलिय है। यह महीन 1.25 करोड़ एक्ट्र क्रम मार्थ है। इसे कम लागत में तेया किया जा

कवधापित्रिका 12

patrika.com

पत्रिका . कदार्था . सोमवार . 18.06.2018

कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com CONCRETE. कृषि विशान केन्द्र व डीएफ आईडी. सीसीआईपी के तत्वाधान में जलवाय कृषि विषय पर एक

कचक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जलवायु अनुकृत खेती को बढ़ावा देना है। ताकि जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान से बचा जा सके। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. बीपी जिपाठी ने कृषि विज्ञान केन्द्र की प्रमुख गतिविधियों व जलवायु अनकल खेती और जलग्रहण की

मख्य उद्देश्य, जिससे किसान खेत का पानी खेत में एकत्रित कर भजलस्तर को सरक्षित रखना आदि विषय पर विस्तृत जानकारी दी। वहीं डॉ. जी के दास ने छलीसगढ के मैदान व स्वरूप/संस्थक्रम विषय पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. आरके द्विवेदी ने जलवायुं अनुकुल कृषि तकनीक विषय पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ चान्द्राकर अनुकुल समन्वित कृषि प्रणाली सीसी आईपी क्षेत्र सदस्या मनरेगा के माध्यम से अधोसंरचना निर्माण के विषय में विस्तत

कवर्षा हिस्स

कृषि विज्ञान केन्द्र ने आयोजित किया कार्यकम

हरिभूमि न्यूज 🌬 कवर्धा

कृषि विज्ञान केन्द्र, कवर्धा द्वारा

स्वच्छता सेवा अंतर्गत विधिन्न कार्यक्रमा आयोजन किया 81 जिसमें रेली के माध्यम से गांवो में किसानी एवं

अन्य नागरिको को स्वच्छता के प्रति जाकरूक किया जा रहा है। दिनांक 16 सितंबर को आदान विक्रेताओं के माध्यम से ग्राम नेवारी में रैली निकाला गया एवं आंगनबाडी एवं गांव की साफ-सफाई किया गया

इसके साथ ही 17 सितंबर 2018 ग्राम सलिहा में संगोष्ठी आयोजित कर एवं शपथ दिलाकर किसानों की

> तारतम्य से 15 सितंबर से 02 अक्टूबर तक

अलग स्थान पर विभिन्न कार्यक्रम जैसे संगोष्ठी, रैली, परिचर्चा आदि माध्यम से जागरूकता अभियान किया जायेगा जिससे स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण में अपना

किसानों को दी जानकारी कषि विज्ञान केन्द्र में कृषक



विक्रमानां को बीज का विल्हण करते हुए।

विभवाग ज्यूज्य-नेटावर्क

कृतिव विकास में राशिय Terenser. च्याची व्यक्तवाका भागनांसर्गस स्वरीफा संगानी का-आधानन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अस्तिव जिला यं जायत अध्यक्ष संतोष पटेल रहे।

करानंकरम कि दीवल जा जापा जिल्लाकी के कृतिक क्रिकार के न्य के जानाविकारण जीके प्रवीप परीकाण, अस्तिम परिवत प्रदर्शन ज कृत्वक प्रशिक्षण की किस्तुत जानकारी थी। साथ ही किसाना की राष्ट्रीय दलकन व सिल्सन मिशन अंतर्गत Pintally. ORCHITE STREET

प्रदर्शन अंधे जानकारी दी। मुख्य अस्तिथि न करता कि जिल्ह में विगल तीन वर्षों में सावाबीन भति जल्यादन में कामी की देखते हुए Tracmerrity wast territor discrete भू आहे करने की सलाह थी। इस वर्ष ग्राष्ट्रीय सलहन च सिलहन मिशन याजनांतर्गत समूह प्रवर्शन TENESTES. STREET SO BURENIE HE with the state of 42.0 म्मापाली 10 हवडेवर में लिया गुला है। जिल्लाका बोज विसरण विकास भागा । अधार्थकाम से विवास के 100 कृषक व इजी टीएस सोचवनी व वैज्ञानिक वीएस परिवाद अवस्थित रहे।